IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, December 2023

संचार माध्यम एवं महिला सशक्तीकरण का एक अध्ययन

नागेन्द्र वर्मा
शोधार्थी समाजशास्त्र
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांष –

ग्रामीण महिलाओं की प्रस्थिति में निरन्तर बदलाव के लिये संचार साधनों का बहुत बड़ा योगदान है और आने वाला समय भी निरन्तर विकास के लिये संचार की उपयोगिता को बढ़ती जायेगी। संचार वह साधन है जो महिलाओं के सर्वांगीण विकास में सहयोगी है। जैसे–जैसे संचार साधनों का विकास होता जायेगा महिलाओं की प्रस्थिति सुदृढ़ होती जायेगी। ग्रामीण महिलाओं के लिये संचार साधन आने वाले समय में वरदान साबित होगा।

मुख्य शब्द – संचार, माध्यम, महिला, सशक्तीकरण ग्रामीण, प्रस्थिति आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. चोपड़ा, लक्ष्मेद्र : जनसंचार का समाजशास्त्र, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 2002.

[2]. सिंह, ओमप्रकाश : संचार के मूल सिद्धान्त, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 2002.

[3]. सिंह, ओम प्रकाश : संचार माध्यमों का प्रभाव, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 1993.

[4]. मुकर्जी, रवीन्द्रनाथ : सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन, दिल्ली, 2009.

[5]. सारस्वत, डॉ. ऋतु, 2017, स्त्री विहिन परिवार हो तो क्या पुरूष अस्तित्व बनेगा, राजस्थान पत्रिका, जयपुर।

[6]. लिमये, संध्या, 2017, निशक्तजनों का सशक्तीकरण, योजना, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई–दिल्ली।

[7]. आयोजन विभाग, 2016,2017, आर्थिक समीक्षा, अर्थिाक एवं सांख्यियी निदेशालय, योजना भवन, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर।

[8]. नावरिया, महेश, 2016 पंचायतीराज एवं महिला विकास, (उभरते प्रतिमान), रितू पब्लिकेशन्स, प्लाट नं. 28, सीतारामपुरी, आमेर रोड, जयपुर।

[9]. अजिज, एन.पी. अब्दुल, 2015, भारत में महिला–सशक्तीकरण, अनमोल प्रकाशन, प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

[10]. शर्मा, जी.एल. 2015, सामाजिक मुद्दे, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।